

Birsa Munda Shahidi Diwas -REPORT

An online lecture was organized by the EBSB Club of the college under the aegis of Azadi ka Amrit Mahotsav. The programme which was held via the google meet app was organized on the 9th of June 2022 to commemorate the death anniversary of the great Munda leader-Birsa Munda who contributed towards the Indian Freedom Struggle. The event began with the welcome address of Dr Raghavendra Mishra who introduced the theme of the lecture and introduced the Speaker to the participants.

The event was inaugurated by Dr Usha Yadav with her kind words. Dr Sanobar Haider, Assistant Professor -Department of History addressed the participants and began her keynote address by paying tributes to the legendary Tribal leader. She spoke at length about the early life of Birsa Munda and how he stood as a symbol of opposition to the British Government in India. Birsa Munda contributed towards the Indian Freedom struggle by leading the tribal community against the oppressive Land laws, the Zamindari system, and the Christian missionaries which posed a threat to the tribal interests in the Chhota Nagpur Plateau area. He mobilized the famous Ulgulan Movement against British atrocities and fought the British on a couple of fronts.

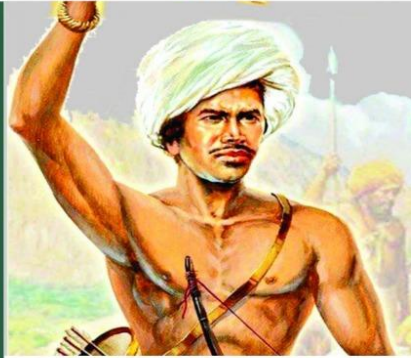
Dr Haider also informed the participants that Birsa Munda was arrested by the British and lodged in Ranch Jail where he breathed his last on 9th June at the young age of 25. He is regarded as the force behind the creation of Jharkhand and is revered all over the country for his immense contribution towards the cause of the Indian freedom movement



Patron :Professor Dr Suman Gupta

Convenor

Dr Raghavendra
Mishra



Date-

9th June 2022

Time-

11:30 A.M

Via Google Meet

**A lecture: " Birsa Munda
as the leader of the Indian
Tribal Movement "**


**Speaker: Dr Sanobar
Haider-Assistant
Professor,
Department of
History**




डॉ० राघवेन्द्र मिश्र




Dr S



Dhruvi Singh





Dinesh



smrati



rashmi







डॉ० राघवेन्द्र मिश्र




Shakuntala




Dr S



Pranchi




Anshika



rashmi



You



Usha

10 others

स्वतंत्रता संग्राम में बिरसा मुंडा का अहम योगदान : सनोबर



- » महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय में कार्यक्रम, प्रबुद्धों ने महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बिरसा मुंडा को किया याद
- » डॉ. सनोबर हैदर ने बिरसा मुंडा के जीवन और कृतित्व पर डाला प्रकाश

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभाने वाले महान मुंडा नेता बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि के अवसर पर 11 जून को महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय के ईबीएसबी क्लब द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के तहत ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस भीके पर इतिहास विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. सनोबर हैदर ने बिरसा मुंडा के जीवन के बारे में विस्तार से बताया।

डॉ. सनोबर हैदर ने कहा कि बिरसा मुंडा भारत में ब्रिटिश सरकार के द्वारा किये जाने वाले अत्याचार के विरोध

में लड़े हुये। बिरसा मुंडा ने आदिवासी समुदाय का नेतृत्व करते हुए छोटा नागपुर पठार क्षेत्र के आदिवासी हितों पर खतरा पैदा होने पर दमनकारी भूमि कानूनों, जमींदारी व्यवस्था और ईसाई मिशनरियों के खिलाफ लड़ते हुए भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अपना अहम योगदान दिया। उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ उलगुलान आंदोलन को संगठित किया एवं अंग्रेजों के अत्याचारों के खिलाफ कई मोर्चे बनाकर लड़ाइयां भी लड़ीं। उन्होंने कहा कि महान नेता बिरसा मुंडा को अंग्रेजों ने गिरफ्तार कर रांची जेल में कैद कर दिया जहाँ पर उन्होंने 11 जून को 25 साल की आयु में अंतिम सांस ली। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान के कारण उनका नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो चुका है। इससे पहले डॉ. राघवेंद्र मिश्रा ने कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों को कार्यक्रम के विषय एवं वक्ताओं पर परिचय कराया। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. उषा यादव ने अपने स्नेहपूर्ण शब्दों से किया।